अर्द्धवार्षिक पत्रिका
फिरकी बच्चों की
Firkee Bachchon Ki
वर्ष 2 अंक 1 जून 2020
छाता
गर्मी का महीना आता है,
छाते को पसीना आता है,
मौसम आता जाता चाहिए,
छाते को भी छाता चाहिए।
सुशील शुक्ल
चित्रांकन— शुभम लखेरा
फिरकी बच्चों की 1

फँस गया चूहा

ढेर सारा खाना खाके,

चूहा हो गया मोटा,

मोटा हो के फँस गया बिल में,

उसका बज गया बाजा!

चूहे राजा बाहर आ जा,

चूहे राजा बाहर आ जा।

सीमा शर्मा

चित्रांकन— शुभम लखेरा

इस अंक में
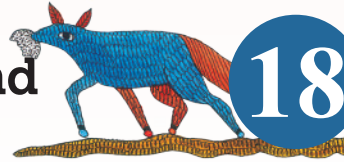
मैं चाहता हूँ
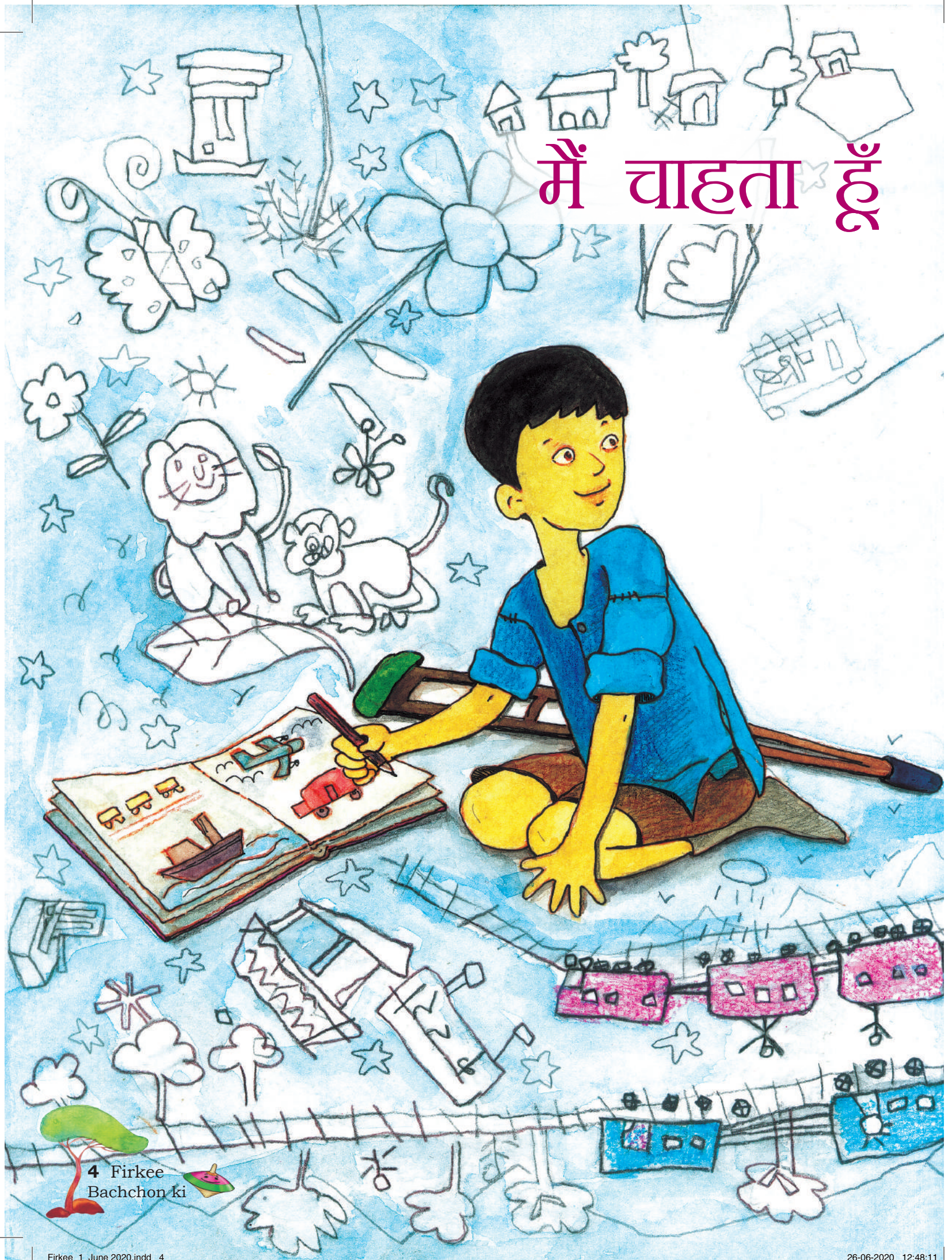
मैं एरोप्लेन में बैठना चाहता हूँ। मैंने कभी एरोप्लेन देखा ही नहीं। मैं कभी एरोप्लेन में बैठा ही नहीं। मैं एरोप्लेन में बैठकर दिल्ली जाऊँगा। मैंने ट्रेन भी कभी नहीं देखी। मैं ट्रेन में बैठकर कटरा जाऊँगा।

अरुण कुमार
कक्षा 4
राजकीय हाई स्कूल, मुठि, जम्मू

चित्रांकन— वृषाली जोशी
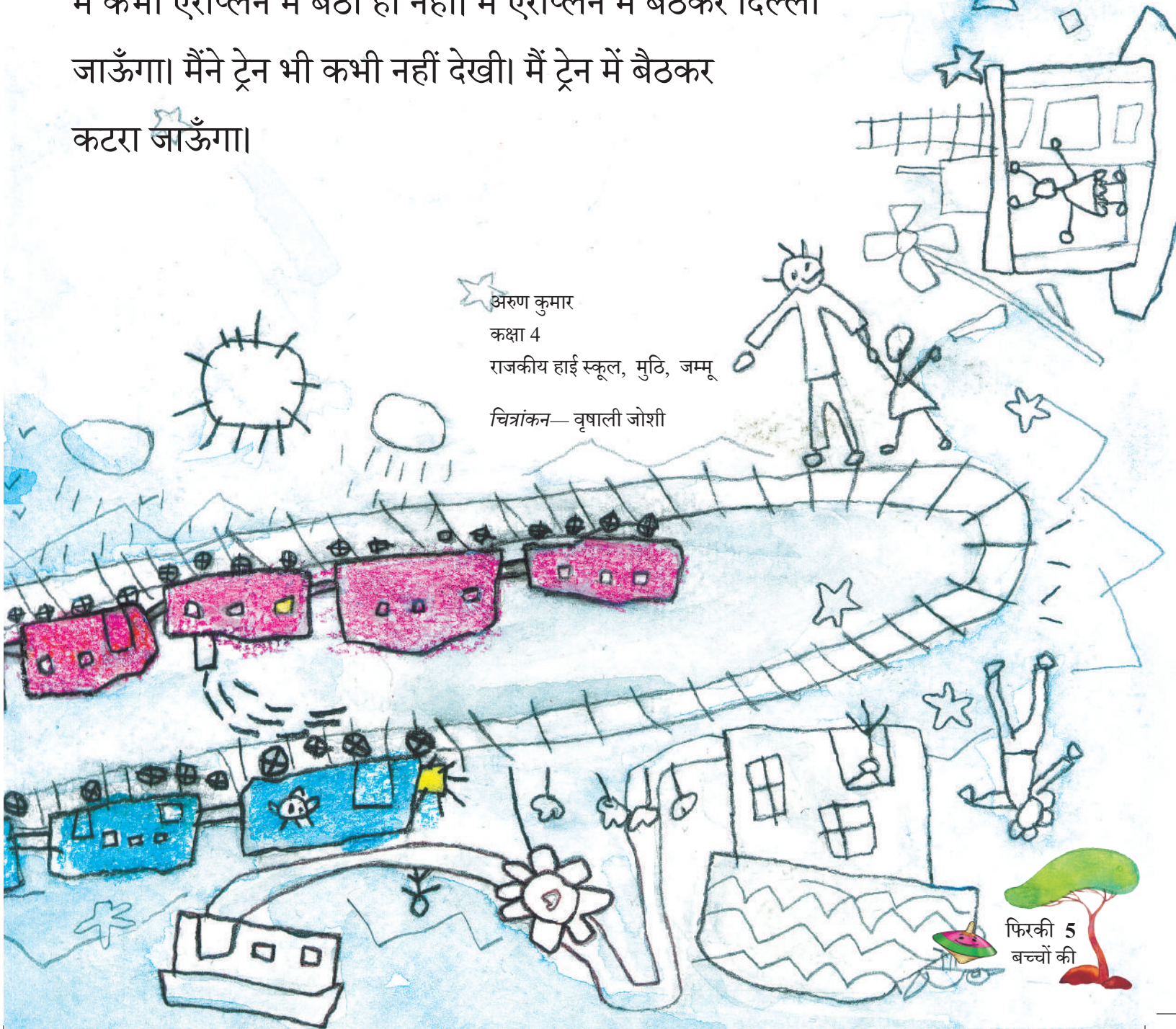
जादू है जी, जादू है!

मिट्टी से पौधा निकला,
पौधे पर एक फूल खिला,
उसे हवा ने सहलाया,
चिड़ियों ने गाना गया,
जादू है जी, जादू है!

वह देखो सूरज निकला,
सोने के रथ पर बैठा,
इधर चला फिर उधर चला,
जादू है जी, जादू है!
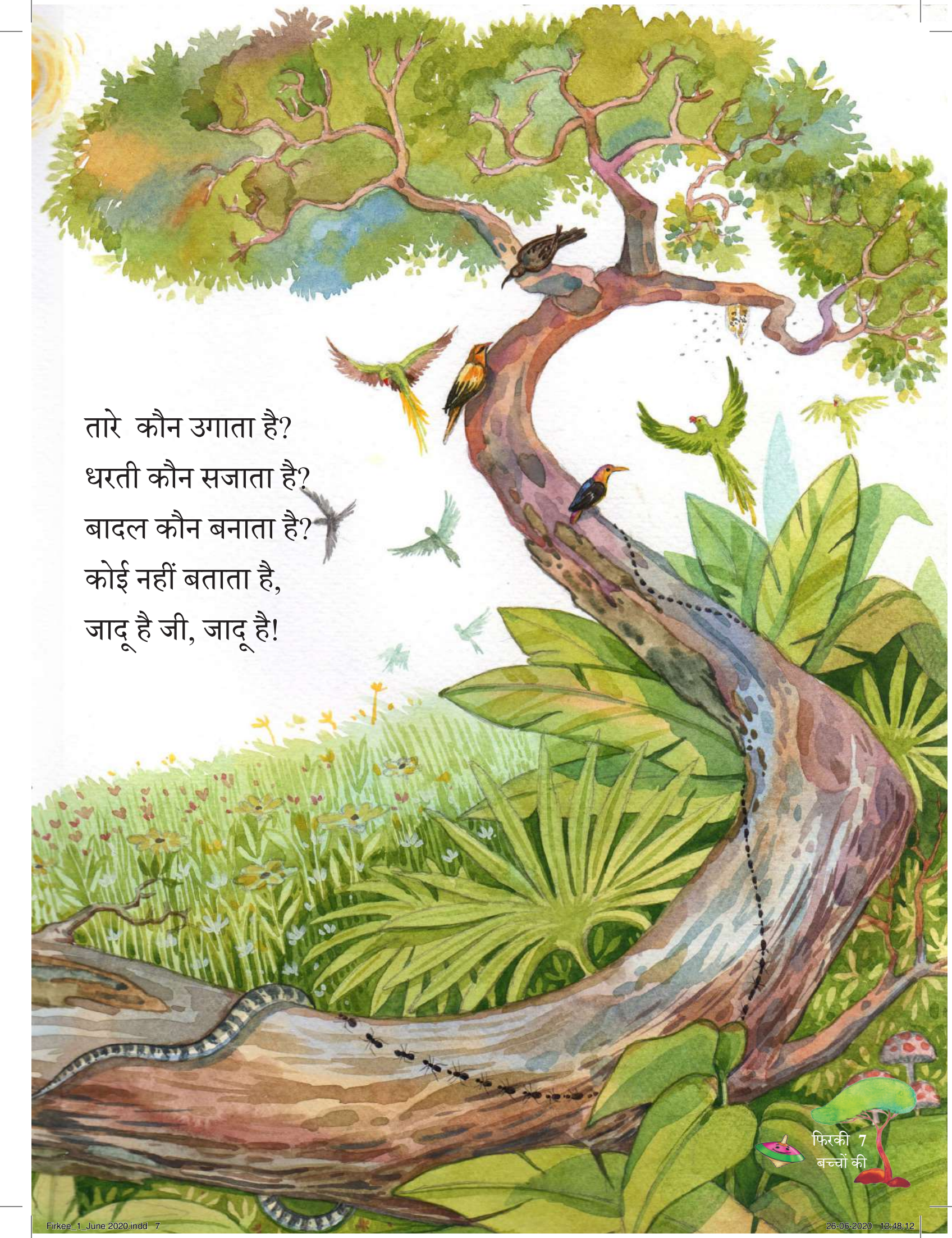
दामोदर अग्रवाल

चित्रांकन— शुभम लखेरा

तारे कौन उगाता है?
धरती कौन सजाता है?
बादल कौन बनाता है?
कोई नहीं बताता है,
जादू है जी, जादू है!
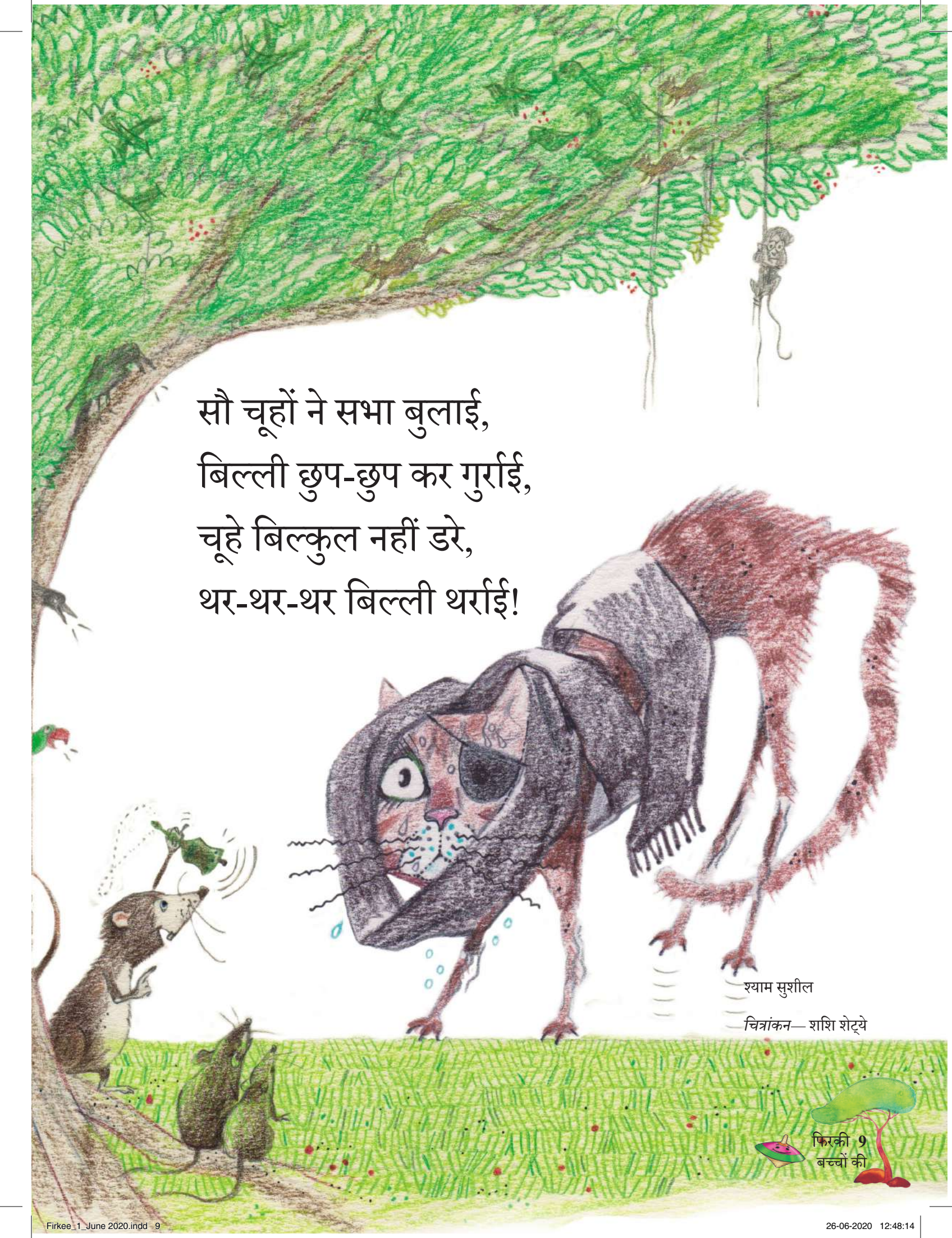
सौ चूहों ने सभा बुलाई

सौ चूहों ने सभा बुलाई,
बिल्ली छुप-छुप कर गुर्राई,
चूहे बिल्कुल नहीं डरे,
थर-थर-थर बिल्ली थर्राई!

श्याम सुशील

चित्रांकन— शशि शेट्ये

दो दोस्त

एक बार की बात है। दो दोस्त थीं— एक मुर्गी और एक बतख। मुर्गी का नाम था— मेघा। बतख का नाम था— बरखा। उनके तीन-तीन बच्चे थे। वे सब मेला देखने दूसरे गाँव जा रहे थे।
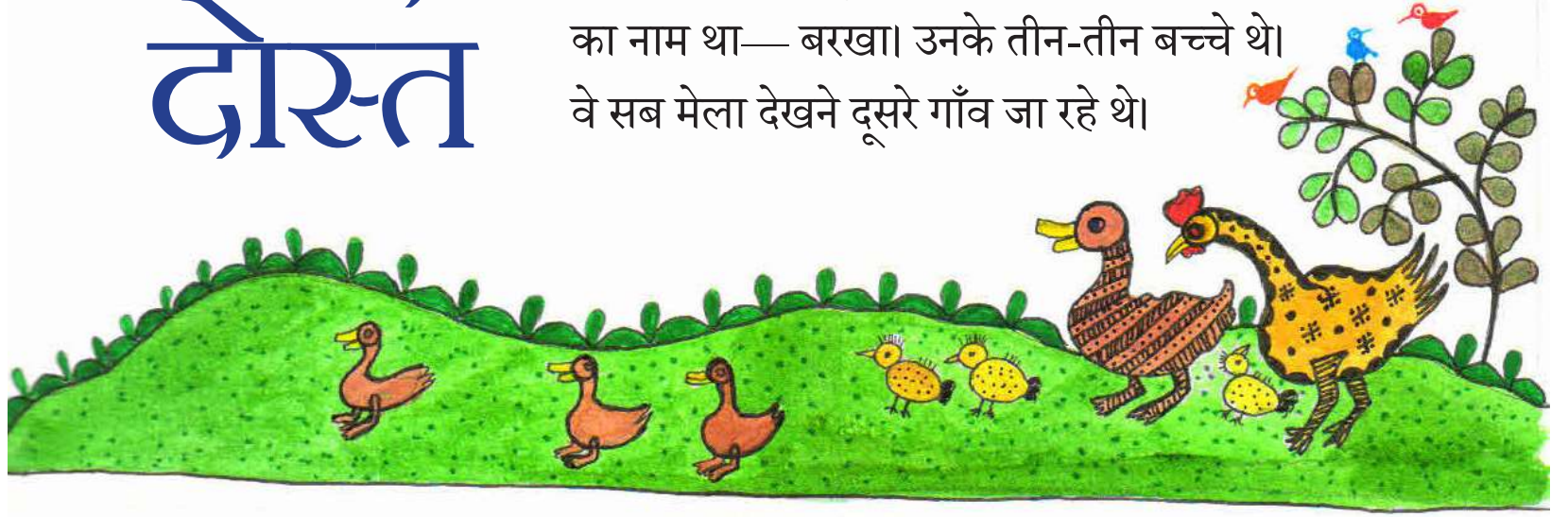
रास्ते में नदी आ गई। मेघा ने कहा, "हम नदी कैसे पार करेंगे? हम तो डूब जाएँगे।"

बरखा ने कहा, "हम सब तैर कर नदी पार कर लेंगे।"

मेघा ने पूछा, "वो कैसे?"
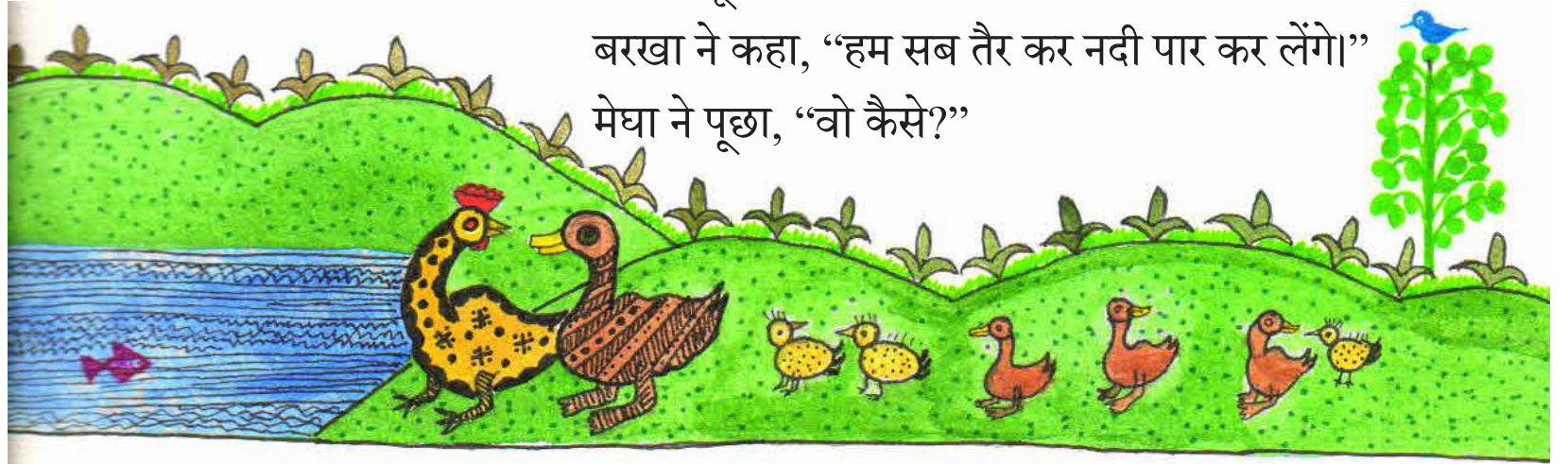
बरखा ने सबको पास बुलाया और अपनी जुगत बताई! सब खुशी से उछल पड़े— हुर्रे ! वे सब नदी पार कर गए।

आस्तिक
कक्षा 5
डीपीएस, गाज़ियाबाद

चित्रांकन— सुनीता
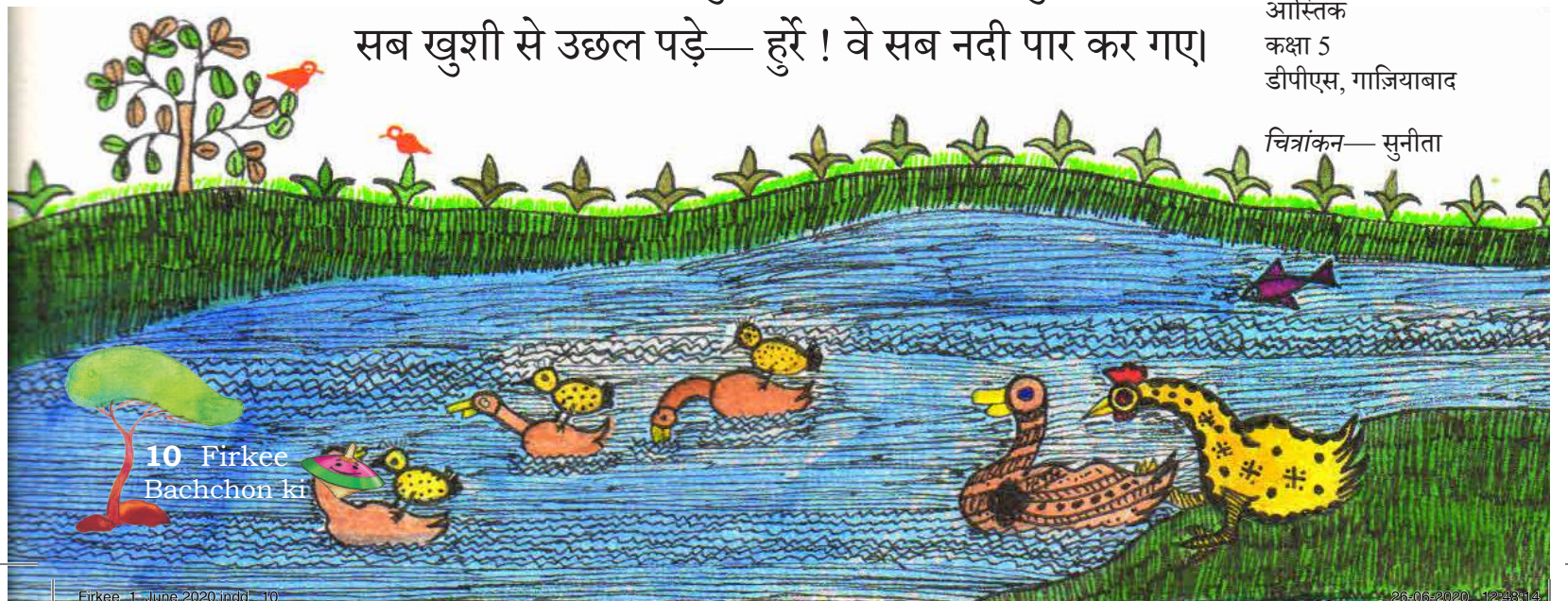
गिलहरी

वाह! गिलहरी क्या कहने,
धारीदार कोट पहने,
पूँछ बड़ी-सी झबरैली,
काली-पीली मटमैली,
दौड़ी-दौड़ी फिरती है,
नहीं फिसलकर गिरती है।

निरंकार देव सेवक

चित्रांकन— शुभम बंसल

बीचों-बीच

चित्रांकन— हबीब अली

जंगल में जादू

एक घना जंगल था। उस जंगल में एक चालाक लोमड़ी रहती थी और एक कछुआ रहता था। एक बार लोमड़ी जंगल में गई और कछुए ने उसका पीछा किया। दोनों में दोस्ती हो गई।

फिर एक दिन जंगल में हाथी
का एक बच्चा आया। वह
तीन-चार दिन वहाँ रहकर गया
और उसे कुछ भी नहीं हुआ।
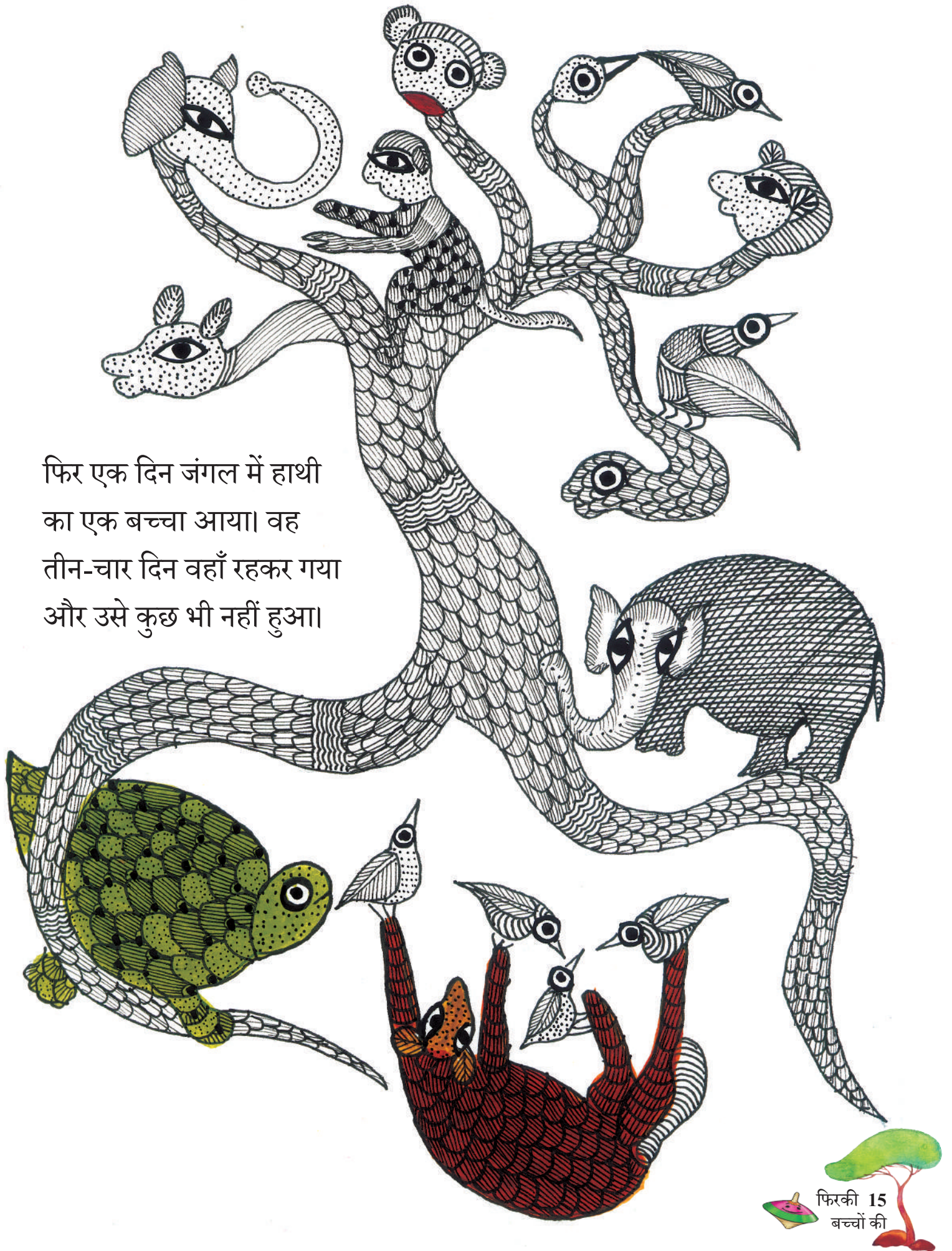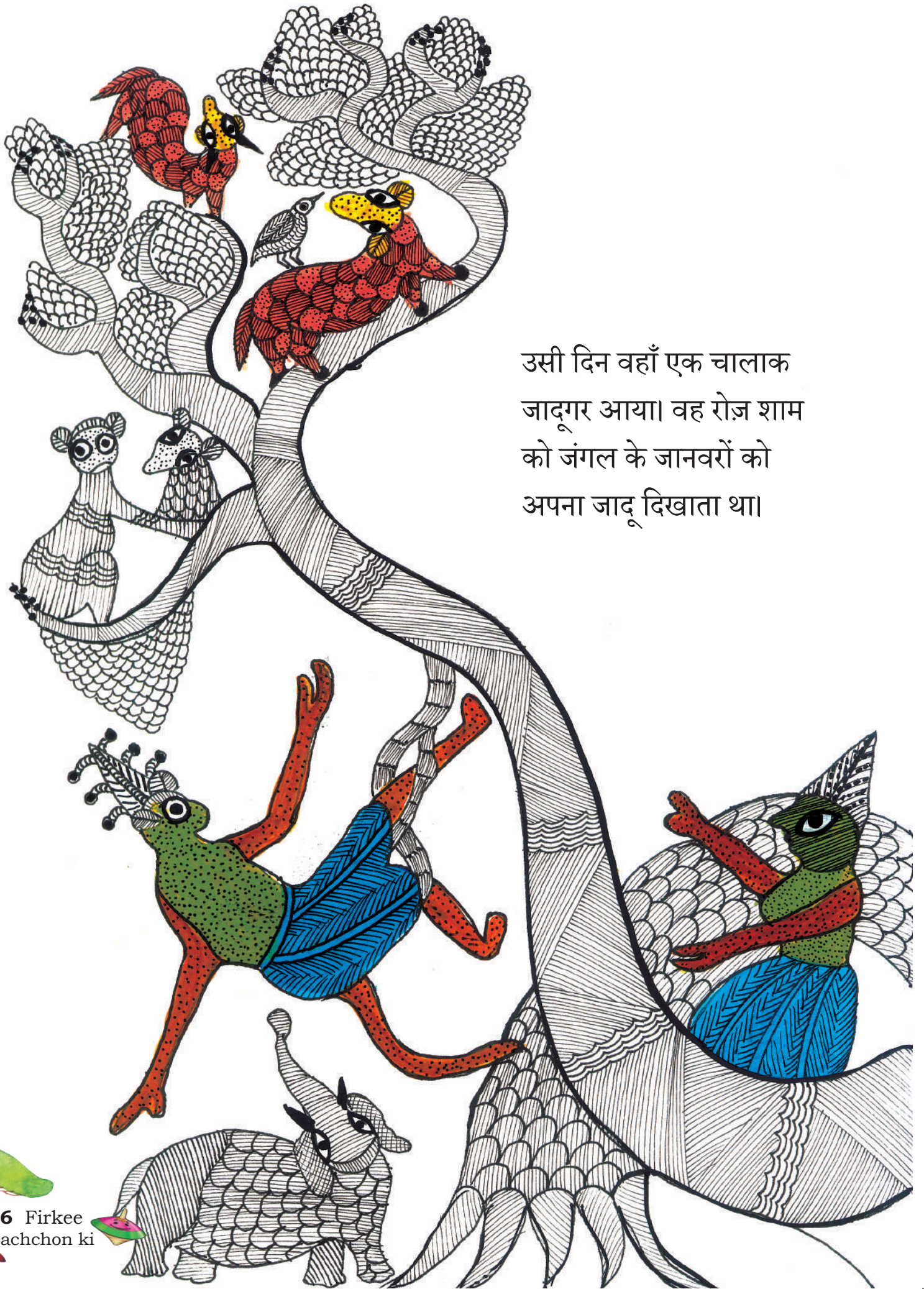
उसी दिन वहाँ एक चालाक जादूगर आया। वह रोज़ शाम को जंगल के जानवरों को अपना जादू दिखाता था।

एक दिन एक बंदर जादूगर का पीछा करता हुआ उसके घर जा पहुँचा। वह जादूगर के कपड़े पहनने लग गया। उसे जादूगर ने देख लिया। दूसरे दिन बंदर जंगल में जादू दिखाने लगा।

मानसी देवी
कक्षा 4
राजकीय हाईस्कूल, मुठि, जम्मू

चित्रांकन— सुभाष व्याम
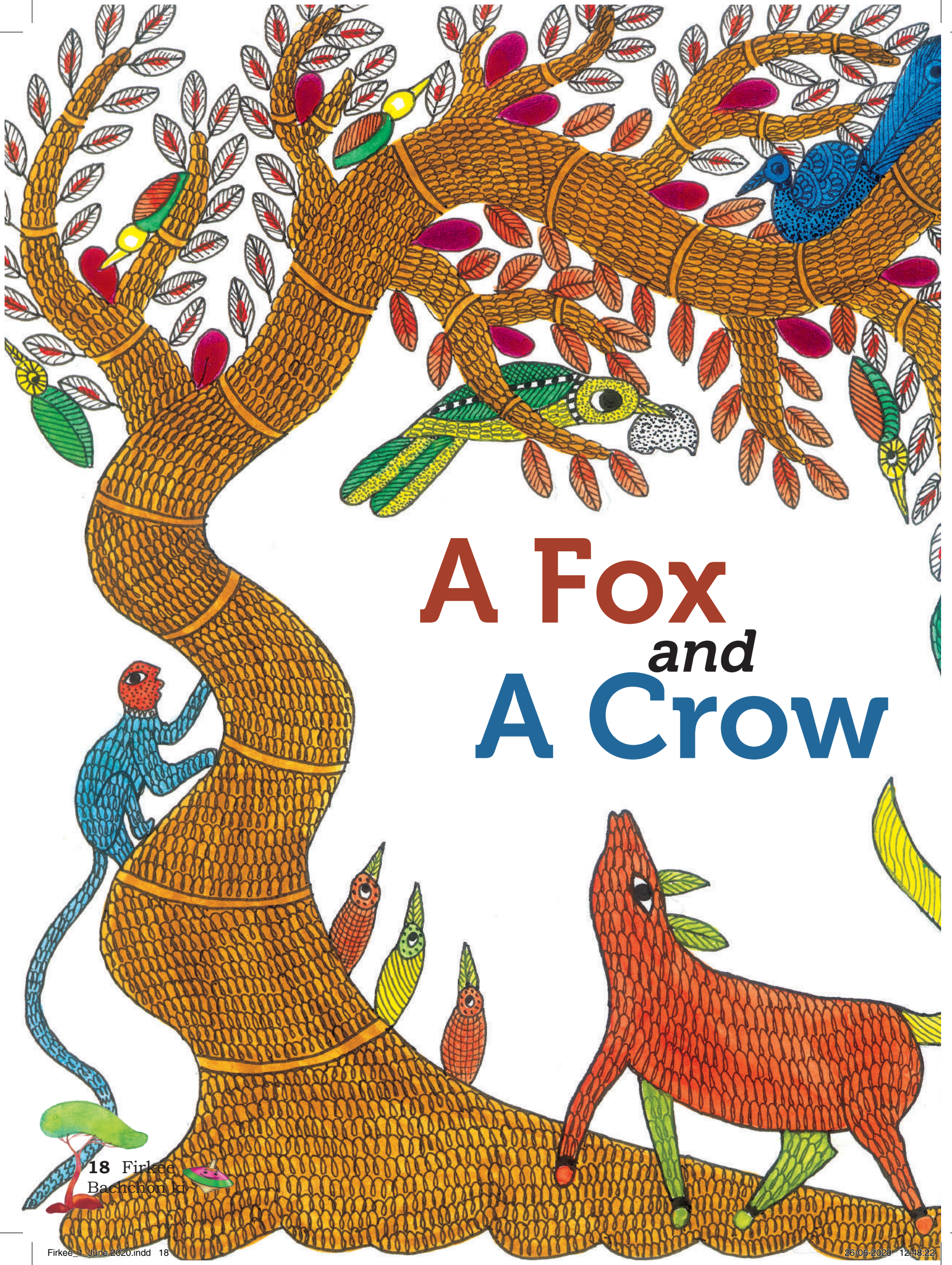
A Fox and A Crow
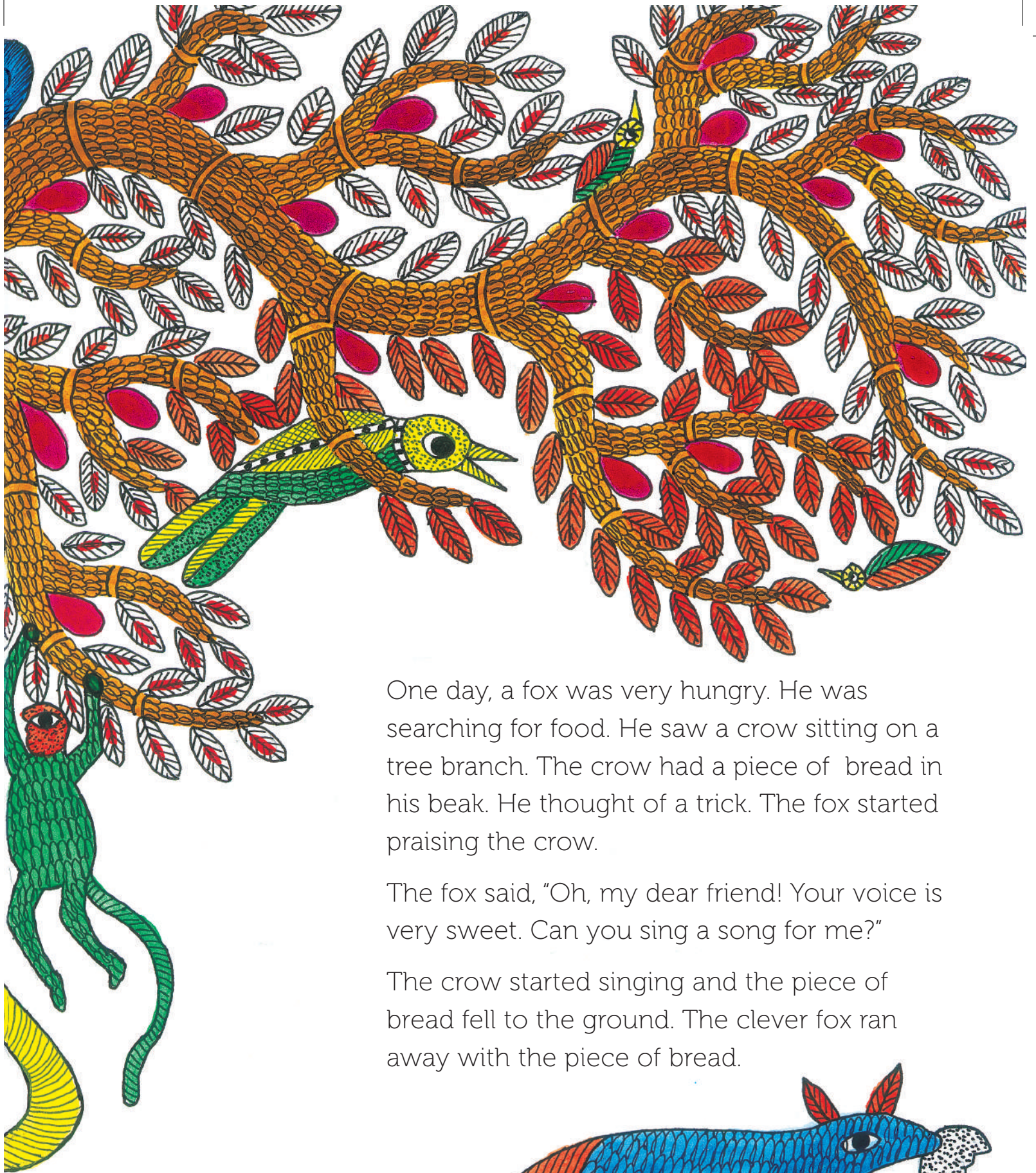
One day, a fox was very hungry. He was searching for food. He saw a crow sitting on a tree branch. The crow had a piece of bread in his beak. He thought of a trick. The fox started praising the crow.

The fox said, "Oh, my dear friend! Your voice is very sweet. Can you sing a song for me?"

The crow started singing and the piece of bread fell to the ground. The clever fox ran away with the piece of bread.
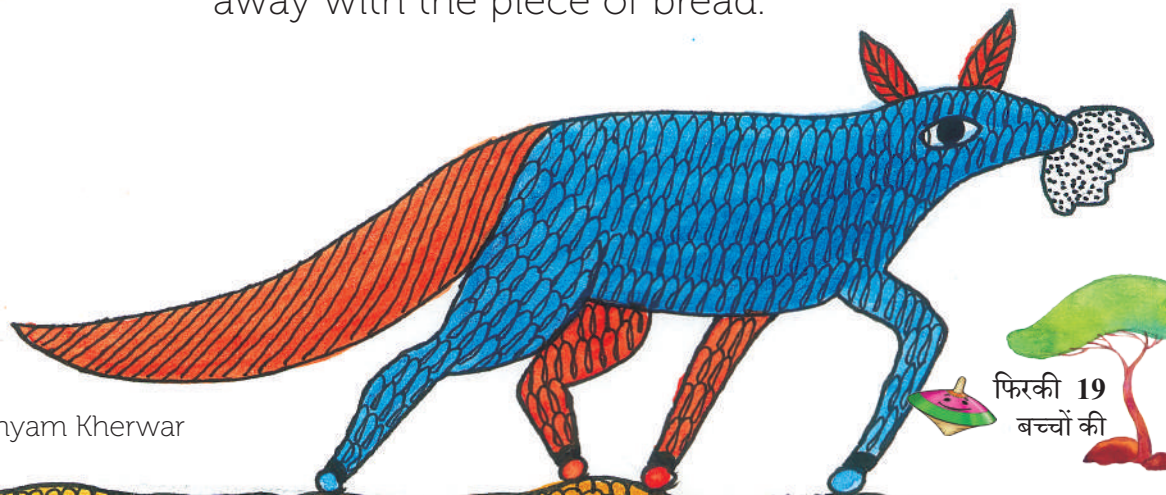
Seema and Kiran

Illustration— Radheyshyam Kherwar

कौन परिंदा

कौन परिंदा बोले चूँ-चूँ,
कौन परिंदा गुटरू-गूँ,
कौन परिंदा पीहू-पीहू,
कौन परिंदा कुकड़ू-कूँ।

कौन परिंदा काँव-काँव,
कौन परिंदा कुहू-कुहू,
कौन परिंदा बोले टें-टें,
नकल उतारे हू-ब-हू!

नयना अडगारकर

चित्रांकन— बन्दना भौमिक

कुछ हम लिखें
कुछ तुम लिखो!
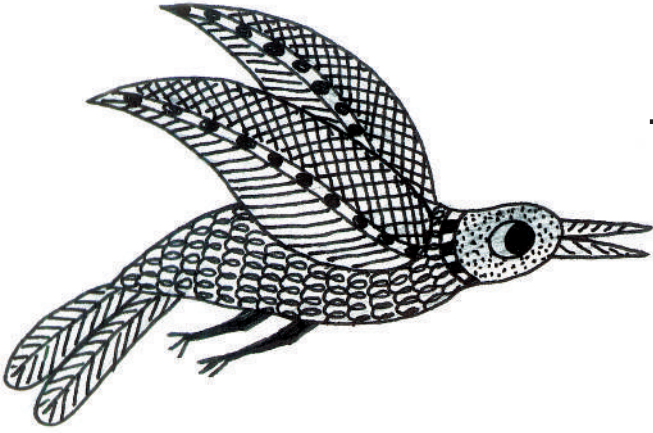
बात बहुत पुरानी है। एक बार
खूब गर्मी पड़ी। तालाबों
का पानी सूख गया।
एक कौआ...!
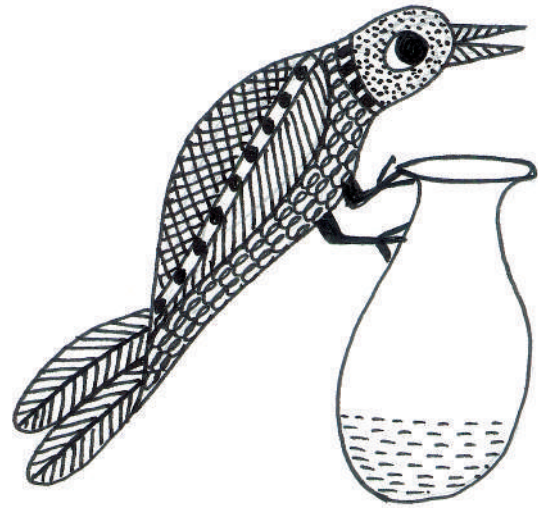
आगे की कहानी तुम लिखो
और हमारे पास भेजो। भेजने का
पता पृष्ठ 24 पर दिया गया है।
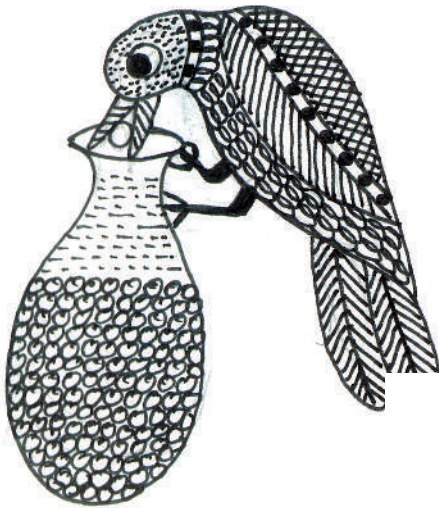
चित्रांकन— राधेश्याम खैरवार

सबसे अच्छा घर

पानी में मछली का घर,
धरती पर बिल्ली का घर,
पेड़ों पर चिड़ियों का घर,
धरती में चूहों के घर।

जंगल में शेरों के घर,
दलदल में कीड़ों के घर,
पर जिस-जिसके जितने घर,
उन सबमें सबसे सुंदर,
सबसे अच्छा अपना घर,
हम रहते जिसके अंदर।

निरंकार देव सेवक

चित्रांकन— शुभम लखेरा
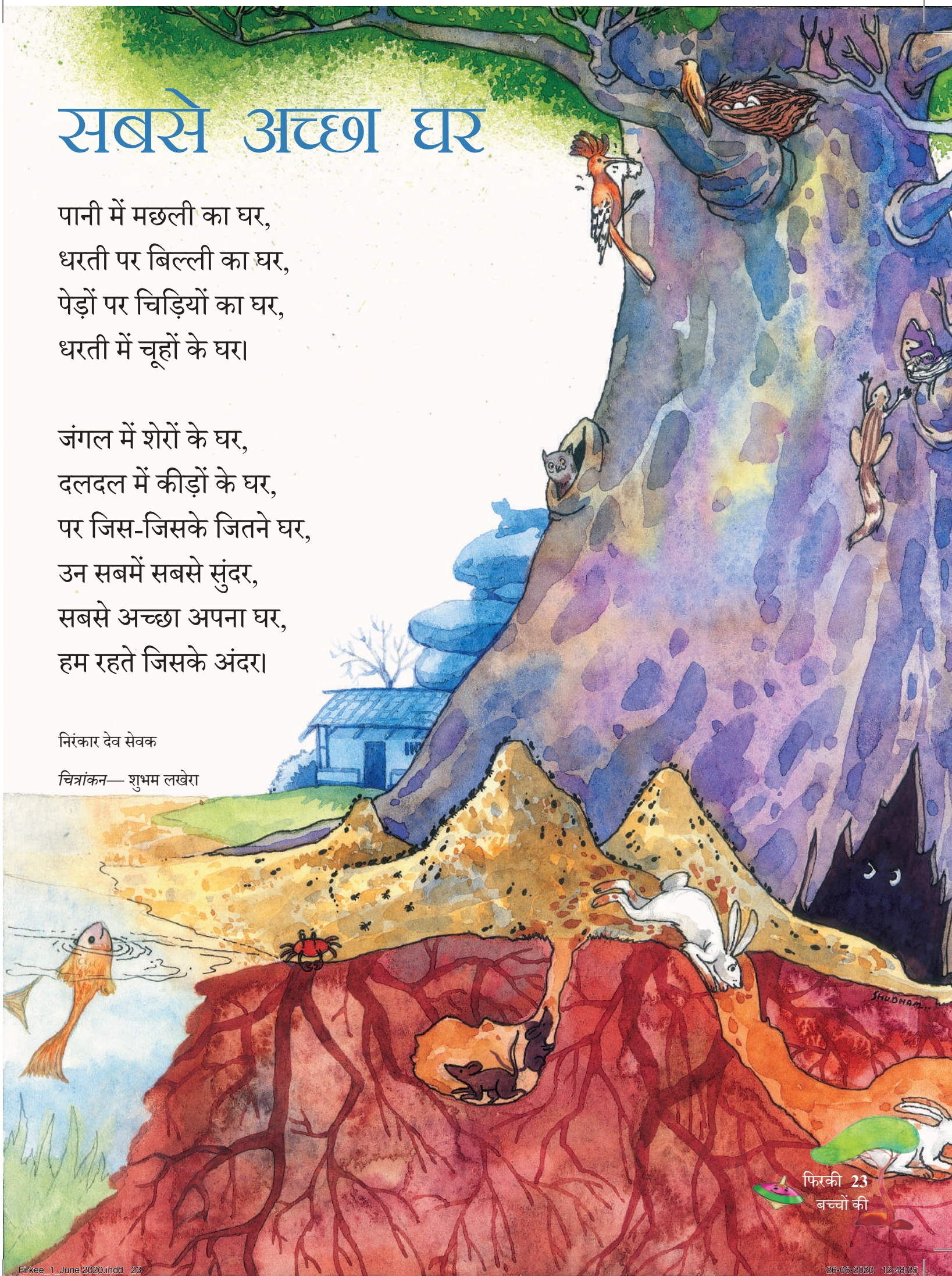
देखो, मैंने क्या बनाया!
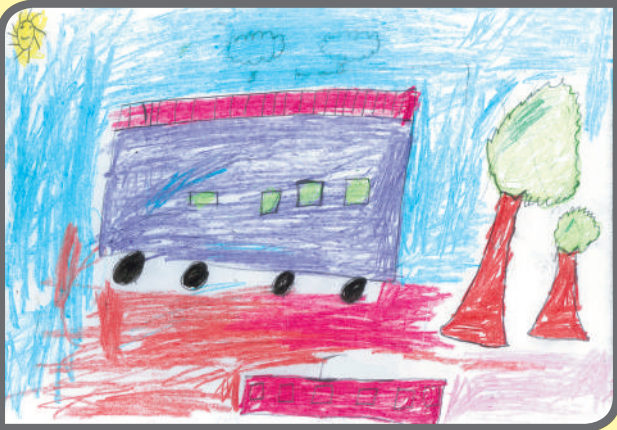
वरुण — कक्षा 2, कबीर कॉलोनी, जम्मू
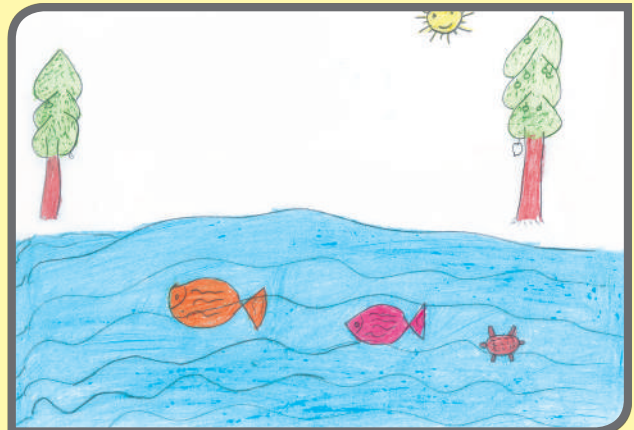
अनिशा साहू — कक्षा 2, कबीर कॉलोनी, जम्मू

सूरज कुमार — कक्षा 2, कबीर कॉलोनी, जम्मू

एजान — कक्षा 2, ग्रीन वैली एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, श्रीनगर

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	अनूप कुमार राजपूत
मुख्य संपादक	:	श्वेता उप्पल
मुख्य उत्पादन अधिकारी	:	अरुण चितकारा
मुख्य व्यापार प्रबंधक	:	विपिन दिवान
उत्पादन सहायक	:	प्रकाश वीर सिंह

संपादन मंडल

मूल संकल्पना	रीडिंग डेवलपमेंट सेल
शैक्षणिक संपादक	उषा शर्मा
संपादन मंडल	कीर्ति कपूर ज्योत्स्ना तिवारी मीनाक्षी खार श्वेता उप्पल संध्या सिंह
सहयोग	किरन शर्मा मीनाक्षी
साज-सज्जा	डिजिटल एक्स्प्रेश़

सुझावों तथा प्रतिक्रियाओं के लिए संपर्क करें

उषा शर्मा (शैक्षणिक संपादक)
समग्र शाला भाषा कार्यक्रम
कक्ष संख्या 307, तीसरी मंज़िल, जी.बी. पंत ब्लॉक
एन.सी.ई.आर.टी., श्री अरविंद मार्ग,
नयी दिल्ली 110016
दूरभाष— 011-26592293
ईमेल— earlyliteracy.ncert@gmail.com

PD 5T SU

100 जी.एस.एम. आर्ट पेपर पर मुद्रित

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग द्वारा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविन्द मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा पुष्पक प्रैस प्राइवेट लिमिटेड, 203-204 डी.एस.आई.डी.सी. शेड्स, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फ़ेज़-I, नयी दिल्ली 110 020 द्वारा मुद्रित।

₹ 35.00

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

Registration No.— DELBIL/2019.77753